

XXXIX(a)BR(H)-11

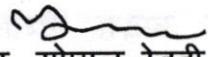
राजस्व मंडल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - विविध/3172/2018/कटनी/भू0रा0

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
05/6/18	<p>प्रकरण का अवलोकन किया तथा आवेदकगण की ओर से संहिता की धारा 32 के तहत प्रस्तुत किये गये आवेदन पर उभयपक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा दिए गए तर्कों पर विचार किया। आवेदक अधिवक्ता द्वारा बताया गया आवेदकगण के पिता स्व0 शिमला पुत्र भूमियां को उसके द्वारा इस न्यायालय में प्रस्तुत निगरानी क्रमांक 2542-एक/16 में पारित आदेश दिनांक 9-2-17 द्वारा उनके स्वामित्व की ग्राम चाका प0ह0नं0 23 रा0नि0मं0 मुडवारा 2 जिला कटनी स्थित भूमि खसरा नं0 50/2ए 51/2 एवं 53/1ख कुल रकबा 0.607 को विक्रय की अनुमति प्रदान की गई थी परंतु क्रेता के पक्ष में विक्रयपत्र संपादित किए जाने के पूर्व ही शिमला की मृत्यु हो गई। शिमला के स्थान पर उसके वारिसों का नामांतरण होने के पूर्व ही उसके एक पुत्र किशोरी जिसके वारिस आवेदक क्रं0 3 हैं उसकी भी मृत्यु हो गई इस कारण अनुबंध ग्रहीता के पक्ष में विक्रयपत्रका निष्पादन नहीं हो सका। उनके द्वारा कहा गया कि प्रस्तावित क्रेता द्वारा आवेदकगण से विक्रयपत्र निष्पादित कराने अथवा अनुबंध राशि वापिस किए जाने की मांग की जा रही है परंतु आवेदकगण राशि वापिस करने की स्थिति में नहीं है। शिमला की मृत्यु हो जाने से आवेदकगण का नाम वारिसाना आधार पर नामांतरण होने के उपरांत जब आवेदकगण विक्रयपत्र निष्पादित कराने हेतु पंजीयन कार्यालय गए तब उन्हें बताया गया कि जब तक राजस्व मंडल द्वारा शिमला के स्थान पर आवेदकों को भूमि विक्रय की अनुमति प्रदान नहीं की जाती तब तक विक्रयपत्र निष्पादित नहीं हो पायेगा। उक्त आधार पर आवेदकों के विद्वान अधिवक्ता द्वारा इस न्यायालय द्वारा आवेदित भूमि को मृतक शिमला के स्थान पर आवेदकों को विक्रय करने की अनुमति दिए जाने का अनुरोध</p>	



शिवचरण आदि विरुद्ध म0प्र0 शासन

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	परिकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>किया गया । शासकीय अधिवक्ता को आवेदक अधिवक्ता के उक्त अनुरोध को स्वीकार किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है। प्रकरण की परिस्थिति को देखते हुए न्यायहित में आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत विविध आवेदन स्वीकार करते हुए इस न्यायालय द्वारा प्र0क्र0 प्र0क्र0 2542-एक/16 में पारित आदेश दिनांक 9-2-17 जिसके द्वारा शिमला वल्द भिम्मा को विक्रय की अनुमति दी गई है के स्थान पर मृतक शिमला के वारिसान (आवेदकगण) को ऊपर उल्लिखित आवेदित भूमि के विक्रय की अनुमति प्रदान की जाती है । आदेश में निर्धारित की गई अन्य शर्तें यथावत रहेंगी । उक्त निर्देश के साथ यह प्रकरण निराकृत किया जाता है ।</p>	<p align="right">  (एम. गोपाल रेड्डी) प्रशा0 सदस्य </p>

3